(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अमरीका की इस वैज्ञानिक सुविधा से इस क्षेत्र में मानव जीवन के विनाश की संभावना बढ़ गई है ;

(घ) यदि नहीं तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने अमरीका का ध्यान इन मानव-विरोधी गतिविधियों की ओर दिलाया है ?

विदेश मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) सरकार को पाकिस्तान में भूकम्पीय निगरानी तंत्र स्थापित करने की जानकारी है । यह व्यवस्था अमरीका की सहायता से अंतर्राष्ट्रीय भूकम्पीय नेटवर्क के एक भाग के रूप में की जा रही है । जिसका प्रयोग भावी व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी), जिसके संबंध में जेनेवा में इस समय निरस्त्रीकरण संबंधी सम्मेलन में बातचीत चल रही है, का सत्यापन करने के लिए किया जाएगा ।

(ख) सरकार को पाकिस्तान के चोरी-छिपे शस्त्रोन्मुख नाभिकीय कार्यक्रम की जानकारी है । पाकिस्तान के नेताओं ने भी अपने वक्तव्यों में पाकिस्तान की नाभिकीय क्षमता की पुष्टि की है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) और (ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

"सार्क" सम्मेलन स्थगित किया जाना

435. **श्री गोविन्दराव आदिक** :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अप्रैल में दिल्ली में होने वाला "सार्क" सम्मेलन स्थगित कर दिया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) अगला "सार्क" सम्मेलन कब और कहां होगा और उसमें किन-किन विषयों पर चर्चा होगी ?

विदेश मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) आठवां "सार्क" शिखर सम्मेलन, जो अप्रैल, 1995 में नई दिल्ली में होना था, पाकिस्तान की सरकार के अनुरोध पर स्थगित कर दिया गया है।

(ग) आठवें "सार्क" शिखर सम्मेलन का समय पुनः निर्धारित किया गया है और अब यह 2 मई से 4 मई, 1995 तक नई दिल्ली में होगा। आज की तारीख तक के अनुसार जिन विषयों पर विचार-विमर्श होगा, वे नीचे लिखे अनुसार होंगे :

—सार्क मंत्री परिषद् के तेरहवें, चौदहवें और पन्द्रहवें सत्रों की रिपोर्ट ।

—नवम्बर, 1993 में काठमांडू में हुए महिला एवं परिवार स्वास्थ्य संबंधी सार्क मंत्री स्तरीय सम्मेलन द्वारा पारित काठमाण्डू संकल्प ।

—दिसम्बर, 1993 में इस्लामाबाद में हुए विकलांग व्यक्तियों के संबंध में सार्क मंत्री स्तरीय सम्मेलन का इस्लामाबाद संकल्प और रिपोर्ट ।

—मई, 1994 में माले में हुए दक्षिण एशिया में युवा संबंधी सार्क मंत्री स्तरीय सम्मेलन द्वारा पारित माले संकल्प ।

—जुलाई, 1994 में ढाका में हुई सार्क वित्त/योजना मंत्रियों की बैठक की रिपोर्ट ।

Complaints of foreign entrepreneurs against Indian Public Sector Companies

436. **SHRI GHUFRAN AZAM:** Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have taken any decision on the complaints received by Indian mission in Berlin, Germany from foreign entrepreneurs against some Indian State Sector companies for their various lapses

and consequent losses to foreign companies;

(b) whether such an attitude is likely to create differences in the bilateral trade relations; and

(c) if so, the details thereof and what steps propose to take to resolve the issue?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHID): (a) The Berlin Office of the Embassy of India has not received any complaints from foreign entrepreneurs against India PSUs. However, Government are aware of some commercial complaints raised by German companies against India companies/PSUs. Complaints of a commercial nature are basically for the parties concerned to resolve between themselves. Wherever necessary, Government uses what good offices are possible to facilitate a resolution of such differences.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

Indian books seized by the Bangladesh Government

437. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that Bangladesh Government have seized hundreds of Indian titles exhibited at Book Fair recently;

(b) if so, details of the books seized including the titles;

(c) whether Government did take up the matter with Bangladesh Government;

(d) whether Government have demanded compensation from Bangladesh Government for the loss incurred by Indian Publishers;

(e) if not, the reasons therefor, and

(f) whether Government propose to raise this issue in the next SAARC conference so that such actions are not resorted to by the SAARC nations against each other?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R. L. BHATIA): (a) We have seen reports that Indian books and posters were banned at the Annual Book Fair organised by the Bangla Academy, Dhaka in February, 1995. When several book sellers ignored the ban, the Bangladesh Book Publishers and Sellers Association along with the Bangla Academy decided to impose the ban. A team of students and cultural activists seized several hundred Indian books and posters and removed them from the stalls on February 3, 1995 in the presence of the officials of the Bangla Academy and others.

(b) No details of the books seized at the Book Fair are available. The display of books was arranged by local book sellers in Dhaka.

(c) to (e) Government have not taken up with the Government of Bangladesh the issue of the ban imposed on Indian books at the Book Fair. The ban was not imposed by the Government of Bangladesh directly but by the Bangla Academy along with the Bangladesh Books Publishers and Sellers Association. The display was arranged by local book sellers in Dhaka; no complaint has been received from any Indian Publishers and hence the question of compensation does not arise.

(f) There is no proposal at present with Government to raise this issue in the next SAARC conference.

रूस और चेचेनिया के बीच विवाद

438. मौलाना अबेदुल्ला खान आज़मी: क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रूस और चेचेनिया के बीच विवाद के बारे में भारत की नीति क्या है; और